दैनिक भास्कर
Sat, 29 April 2023
https://epaper.bhaskarhindi.com/c/72294078

एकीकृत मृदा सूचना प्रणाली अपनाएं : चौधरी

भास्कर संवाददाता | नागपुर.

भाकृअनुप- राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो, नागपुर में कृषि और किसान कल्याण विभाग द्वारा गठित संचालन समिति की एकीकृत मृदा सूचना प्रणाली पर उप-समिति-1 की बैठक शुक्रवार को हुई। अध्यक्षता सहायक महानिदेशक (एसडब्ल्यूएम), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, डॉ. ए. वेलमुरुगन ने की। इस अवसर पर उप महानिदेशक (एनआरएम), आईसीएआर, डॉ. एस.के. चौधरी ने हितधारकों के साथ-साथ नीति-निर्माताओं के लिए एकीकृत मृदा सूचना के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विभिन्न संगठनों से हाथ मिलाने, अपनी विशेषज्ञता साझा करने और अंतिम

उपयोगकर्ताओं के लिए उपयुक्त उत्पाद लाने का आग्रह किया।डॉ. आर. एल. मीणा, मुख्य मृदा सर्वेक्षण अधिकारी, एसएलएसयूआई और सदस्य सचिव, उप-समिति-1 ने एकीकृत मृदा सूचना प्रणाली के विकास के उद्देश्यों और संदर्भ की शर्तों के प्रति प्रतिभागियों को जागरूक किया। आईसीएआर-एनबीएसएस एंड एलयूपी के निदेशक, डा एन.जी. पाटील ने विभिन्न संगठनों के सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और उनसे नीति नियोजन और हितधारकों के लिए उपयोगी तथा विश्वसनीय उत्पाद लाने का आग्रह किया। डॉ. वेलमुरुगन ने विभिन्न संगठनों में मृदा संसाधनों से संबंधित डेटा के अभिसरण और अंतर-संचालनीयता के लिए एक तंत्र तैयार करने पर जोर दिया। मृदा संसाधन अध्ययन में शामिल विभिन्न संगठनों द्वारा किए गए कार्यों में समाभिरूपता और मिट्टी की जानकारी के लिए उनकी डिजिटल मैपिंग की उत्कृष्ट प्रणाली के विकास पर बल दिया। बैठक में आईसीएआर संस्थानों, एनआरएससी, एसएसी, एसएलयूएसआई, एसएयू, आईआईआरएस और राज्य रिमोट सेंसिंग संस्थानों जैसे विभिन्न संगठनों के हाइब्रिड मोड पर लगभग 75 वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने भाग लिया।